8. वनस्पति रोगों और कीटों की रोकथाम सहित कृषि के विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रम तेज किए जायेंगे जिससे और अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

वनस्पति का मूल्य नियत करना और उसे लागू करना

4985. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वनस्पति घी के मूल्यों में कमी की घोषणा की है;

(ख) क्या राजस्थान और मध्य प्रदेश में 20 नवम्बर, 1973 तक वनस्पति के मूल्यों में कमी नहीं की गई थी; और

(ग) यदि हां, तो किस सरकारी अभिकरण द्वारा मूल्य नियत किया जाता है तथा इसका कार्यान्वयन लागू किया जाता है और निदेशों की अवहेलना पर क्या कार्यवाही की जाती है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री० शेर सिंह) : (क) जी हां—16 नवम्बर 1973 से और फिर पहली दिसम्बर, 1973 से।

(ख) और (ग). भारत सरकार ने वनस्पति के मूल्यों में समय-समय पर जो परिवर्तन किए हैं वे अधिसूचनाओं में दी गई तारीख से देशभर में लागू हुए हैं। इन मूल्य परिवर्तनों को उसी समय सभी राज्य सरकारों के ध्यान में लाया जाता है जोकि अधिसूचित मूल्यों का पालन न करने वाली फैक्ट्रियों/व्यापारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने में सक्षम हैं।

विभिन्न राज्यों में गेहूं, चावल, मूंगफली और गन्ने की उपज

4986. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय** : क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, तथा गुजरात में गत दो वर्षों से गेहूं, चावल, मूंगफली तथा गन्ने की कितनी उपज हुई है; और

(ख) इन राज्यों के किसानों को उपरोक्त अवधि में राज्य-वार कितने रासायनिक खाद की सप्लाई की गई ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिंदे) : (क) इन राज्यों के 1971-72 और 1972-73 के गत दो वर्षों की अपेक्षित सूचना का एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। [ग्रंथालय में रखा गया। देखिए संख्या LT. 6032/73].

(ख) उपलब्ध सूचना विभिन्न राज्यों को केन्द्रीय उर्वरक पूल और देशी निर्माताओं द्वारा सप्लाई किए गए रासायनिक उर्वरकों के संबंध में हैं। निम्नलिखित तालिका में इन राज्यों को 1971-72 और 1972-73 के गत दो वर्षों के दौरान सप्लाई किए गए रासायनिक उर्वरकों की मात्रा दी गई है :—